Vardaan Utsav
Pinjore, Haryana

धर्म · समाज · संस्था

संतों और महापुरुषों की संगत करने से ही मन में शांति और आत्मनिर्भता का होता है वास : विधायक

भजन संध्या एवं वरदान उत्सव का आयोजन

सिटी रिपोर्टर|पिंजौर

पहले धरती पर हर ओर पेड़ों की हरियाली और प्रकृति के हर तरफ नजारे होते थे, जिससे इंसान ऐसे माहौल में हर समय खुश और शांत रहता था। जैसे-जैसे डेवलपमेंट ने तेज रफ्तार पकड़ी तो पेड़ों की जगह बड़ी-बड़ी इमारतें बन गईं और हर तरफ सड़कें आदि बन गईं जिससे प्रकृति के नजारे गायब होने लगे। इससे हर किसी की की जिंदगी में भी भागदौड़ शुरू हो गई। इससे इंसान अपने मन की शांति व भगवान से दूर होने लगा। ऐसे में हमारे लिए भगवान के साथ अपनी आत्मा को जोड़ने का एक ही रास्ता नजर आने लगा, वह है संतों और महापुरुषों की संगत करना।

ये हमें भगवान से मिला नहीं सकते लेकिन उनके दर तक पहुंचने का रास्ता जरूर दिखा देते हैं। यह बात रविवार को कालका विधायक लतिका शर्मा ने पिंजौर स्थानीय सीताराम मंदिर में वरदान स्पिरिचुअल फाउंडेशन (ए होली सेंटर) के एक कोशिश आप की मुस्कराहट के लिए कार्यक्रम भजन संध्या एवं वरदान उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि कही। विधायक लतिका शर्मा ने इस मौके पर स्वामी सतीश का फूल गुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर समारोह के मुख्य आयोजक तरसेम गुप्ता ने स्वामी सतीश और मुख्य अतिथि लतिका शर्मा का स्वागत किया।

ज्ञान लिया जाता है, दिया नहीं जाता : इस मौके पर मंदिर में पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए स्वामी सतीश ने कहा कि कोई भी इंसान की पहचान उसके ज्ञान से होती है जो भी ज्ञान से भरपूर होगा उसका हमेशा समाज में सम्मान भी ज्यादा होगा। ज्ञानी बनने के लिए हमें लोभ, मोह और अहंकार को त्यागना पड़ता है। ज्ञान हमेशा लिया जाता है दिया नहीं। स्वामी ने कहा कि युगों से समय-समय पर ब्रह्म-ऋषियों व दिव्य पुरुषों ने विश्व व मानवता को अपने योगदान व ब्रह्मज्ञान से विशेष व अति सुंदर अवस्था दी, जिसके कारण विश्व में मानव जाति उसे अनुभव कर उससे लाभान्वित हो रही है। उन्होंने कहा कि हम जिस भगवान को भी मानते हैं। उसके प्रति हमेशा मन में विश्वास रखो और उसी विश्वास से जो भी हम अच्छा काम करेंगे वह हमेशा पूरा होगा।

Vardaan Utsav
Pinjore, Haryana

सुखद जीवन के लिए सोच में बदलाव जरूरी : स्वामी सतीश

पिंजौर। आज की तनाव से भरी व भागदौड़ वाली जिंदगी में कहीं भी आत्मिक शांति नहीं है, जिसके लिए दिन में हर किसी को भगवान की आराधना व मेडिटेशन के लिए समय जरूर देना चाहिए क्योंकि इसी से इंसान के अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसी सोच रखकर हम जो भी काम करते हैं उसमें हमेशा सफलता मिलती है। हमारे अंदर जो भी संस्कार पैदा होते है वो हमेशा हमारी सोच की पैदावार से होते हैं, इसलिए अच्छे संस्कारों के लिए हमें अपनी अच्छी सोच को पैदा करना होगा। यह बात वरदान स्पिरिचुअल फाउंडेशन के स्वामी सतीश ने एक होटल में

कही। उन्होंने कहा कि आज हर कोई समस्याओं से घिरा हुआ है जिसमें से निकलने के लिए वो कई प्रयास करते हैं जिसमें वो अंधविश्वासों में फंस जाते हैं। कार्यक्रम के संयोजक तरसेम गुप्ता ने बताया कि आगामी 30 जुलाई को शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक स्वामी सतीश द्वारा स्थानीय सीताराम मंदिर में वरदान उत्सव और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

Vardaan Utsav
Pinjore, Haryana

30 को सीमाराम मंदिर पिंजौर में होगी भजन संध्या

पिंजौर, 20 जुलाई (रावत): पिंजौर के एक होटल में वीरवार को वरदान स्पीरिच्यूअल फाऊंडेशन के स्वामी सतीश ने अपने संबोधन में कहा कि आज हर कोई समस्याओं से घिरा है। इसमें से निकलने के लिए वो कई प्रयास करते है। इइसमें वो अंधविश्वासों में फंस जाते हैं। ऐसे में उन्हें सही दिशा में चलकर अपनी शंकाएं दूर करनी चाहिए। आमिक शांति व मोक्ष प्राप्ती के लिए भगवान की अराना व मैडीटेशन सबसे अच्छा रास्ता है। स्वामी ने बताया कि ऐसा माना जाता है वो मनुष्य जीवन में ज्यादा सुखी होते है जो अपनी खुशियों से पहले दुसरो की खुशियों का ध्यान रखते है। इस दौरान कार्यक्रम के सयोजंक तरसेम गुप्ता ने बताया कि आगामी 30 जुलाई को शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक स्वामी सतीश द्वारा स्थानीय सीताराम मंदिर में वरदान उत्सव और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। उसके बाद भंडारा वितरित होगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 21 July 2017
epaper.punjabkesari